

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

BRIDGE COURSE – 2026

शिक्षक पोर्टफोलियो

पाँच सर्वोत्तम शिक्षण प्रथाओं को प्रदर्शित करने वाले
शिक्षक के कार्य-नमूनों का संकलन

शिक्षक/प्रशिक्षु का नाम : _____

पिता/पति का नाम : _____

विद्यालय का नाम : _____

विद्यालय का पता : _____

कक्षा : _____

विषय : _____

पंजीकरण संख्या : _____

प्रशिक्षण केंद्र : _____

सत्र : 2026

3. परिचय

शिक्षक पोर्टफोलियों शिक्षक के कार्यों, अनुभवों, विचारों, शिक्षण पद्धतियों तथा विद्यार्थियों के सीखने से संबंधित विभिन्न कार्य-नमूनों का व्यवस्थित संकलन है।

यह पोर्टफोलियों शिक्षक की व्यावसायिक पहचान को प्रस्तुत करता है। इसमें शिक्षक द्वारा कक्षा में किए गए कार्यों के साथ-साथ विद्यार्थियों द्वारा किए गए कार्यों के नमूने भी शामिल किए जाते हैं।

पोर्टफोलियों के माध्यम से यह समझने में सहायता मिलती है कि शिक्षक बच्चों को किस प्रकार पढ़ाता है, बच्चों के सीखने को किस प्रकार समझता है, किन शिक्षण विधियों का प्रयोग करता है तथा अपने शिक्षण में निरंतर किस प्रकार सुधार करता है।

इसमें शिक्षक की मान्यताओं, शिक्षण संबंधी दृष्टिकोण, कक्षा की गतिविधियों, पाठ्यक्रम, सिलेबस, असाइनमेंट, विद्यार्थियों के कार्य, सीखने के संसाधन, शिक्षक विकास की गतिविधियाँ, समुदाय के संसाधन तथा पाँच सर्वोत्तम शिक्षण प्रथाओं से संबंधित प्रमाणों को शामिल किया गया है।

4. शिक्षक परिचय

मेरा नाम _____ है। मैं _____

विद्यालय में शिक्षक/शिक्षिका के रूप में कार्य करता/करती हूँ।

मेरी शैक्षिक योग्यता _____ है।

मुझे शिक्षण क्षेत्र में _____ वर्षों का अनुभव है।

शिक्षण मेरे लिए केवल बच्चों को पाठ पढ़ाने का कार्य नहीं है। मेरे लिए शिक्षण बच्चों की क्षमताओं को पहचानने, उनकी जिज्ञासा को बढ़ाने, उनके अनुभवों का सम्मान करने और उन्हें सीखने के अवसर प्रदान करने की प्रक्रिया है।

मैं यह मानता/मानती हूँ कि प्रत्येक बच्चा अलग होता है। बच्चों की रुचि, क्षमता, सीखने की गति और पारिवारिक पृष्ठभूमि अलग-अलग हो सकती है। इसलिए शिक्षक को बच्चों की विविध आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षण की विभिन्न विधियों का प्रयोग करना चाहिए।

5. मेरी व्यावसायिक यात्रा

एक शिक्षक के रूप में मेरी व्यावसायिक यात्रा निरंतर सीखने और स्वयं को बेहतर बनाने की प्रक्रिया रही है।

शिक्षण कार्य करते हुए मुझे विभिन्न प्रकार के बच्चों के साथ कार्य करने का अवसर मिला। इस अनुभव से मुझे यह समझने में सहायता मिली कि केवल पाठ्यपुस्तक के माध्यम से पढ़ाना पर्याप्त नहीं है।

बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करना आवश्यक है।

मेरे शिक्षण अनुभव के दौरान मैंने बच्चों के साथ विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ की हैं। इनमें कहानी सुनाना, चित्र देखकर बातचीत करना, समूह में कार्य करना, प्रश्न पूछना, खेल के माध्यम से सीखना, कार्यपत्रक हल करना, स्थानीय संसाधनों का उपयोग करना तथा बच्चों के कार्यों का अवलोकन करना शामिल है।

समय के साथ मेरी शिक्षण पद्धति में भी परिवर्तन आया है। अब मेरा प्रयास रहता है कि बच्चों केवल उत्तर याद न करें, बल्कि विषय को समझें, उसके बारे में प्रश्न करें, अपने विचार व्यक्त करें और अपने अनुभवों से जोड़कर सीखें।

6. शिक्षण के प्रति मेरी मान्यताएँ

मेरी प्रमुख शिक्षण संबंधी मान्यताएँ निम्नलिखित हैं—

1. प्रत्येक बच्चा सीख सकता है।

हर बच्चे की सीखने की गति अलग हो सकती है। उचित अवसर, सहयोग और प्रोत्साहन मिलने पर प्रत्येक बच्चा अपनी क्षमता के अनुसार सीख सकता है।

2. बच्चे को सक्रिय सहभागी होना चाहिए।

बच्चों को केवल शिक्षक की बात सुनने के बजाय प्रश्न पूछने, चर्चा करने, गतिविधि करने और अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिलना चाहिए।

3. सीखना अनुभव से जुड़ा होना चाहिए।

जब किसी विषय को बच्चे के दैनिक जीवन और अनुभवों से जोड़ा जाता है, तो सीखना अधिक अर्थपूर्ण हो जाता है।

4. बच्चों की गलतियाँ सीखने का अवसर हैं।

गलत उत्तर मिलने पर बच्चे को हतोत्साहित करने के बजाय उसकी गलती को समझकर सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए सहायता करनी चाहिए।

5. मूल्यांकन सीखने का हिस्सा है।

मूल्यांकन केवल परीक्षा के समय नहीं होना चाहिए। बच्चों के सीखने की पूरी प्रक्रिया में उनका अवलोकन किया जाना चाहिए।

7. मेरी शिक्षण पद्धति एवं दृष्टिकोण

मैं बच्चों की आयु, कक्षा, विषय और सीखने की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न शिक्षण विधियों का प्रयोग करने का प्रयास करता/करती हूँ।

मेरी शिक्षण प्रक्रिया में निम्न बातों को विशेष महत्व दिया जाता है—

- ① बच्चों के पूर्व ज्ञान को जानना।
- ② विषय को बच्चों के अनुभवों से जोड़ना।
- ③ सरल भाषा का प्रयोग करना।
- ④ गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर देना।
- ⑤ बच्चों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करना।
- ⑥ समूह में कार्य करने का अवसर देना।
- ⑦ बच्चों के कार्य को ध्यानपूर्वक देखना।
- ⑧ आवश्यकता के अनुसार व्यक्तिगत सहायता देना।
- ⑨ बच्चों को प्रतिक्रिया और सुधार का अवसर देना।

8. पाठ्यक्रम एवं सिलेबस

शिक्षक पोर्टफोलियो में शिक्षक द्वारा पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम और सिलेबस से संबंधित विवरण भी शामिल किया जाता है।

किसी भी विषय को पढ़ाते समय मेरा प्रयास रहता है कि पाठ्यक्रम को केवल पूरा करने के बजाय उसके सीखने के उद्देश्यों को ध्यान में रखा जाए।

शिक्षण प्रक्रिया में सामान्यतः निम्न क्रम अपनाया जाता है—



भाषा शिक्षण में

- ① कहानी
- ② कविता
- ③ चित्र देखकर बातचीत
- ④ मौखिक अभिव्यक्ति
- ⑤ पठन
- ⑥ लेखन
- ⑦ शब्द निर्माण

गणित शिक्षण में

- ① वस्तुओं की गिनती
- ② संख्या पहचान
- ③ जोड़
- ④ घटाव
- ⑤ आकृतियाँ
- ⑥ मापन
- ⑦ दैनिक जीवन की समस्याएँ

हमारे आसपास की दुनिया के शिक्षण में

- ① परिवार
- ② विद्यालय
- ③ पौधे
- ④ पशु
- ⑤ पानी
- ⑥ स्वच्छता
- ⑦ स्वास्थ्य
- ⑧ स्थानीय वातावरण
- ⑨ समुदाय

9. असाइनमेंट एवं विद्यार्थियों के कार्य

विद्यार्थियों को विषय को समझने और अपने ज्ञान को व्यक्त करने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्य दिए जाते हैं।

इनमें —

- ① लिखित कार्य
- ② कार्यपत्रक
- ③ परियोजना कार्य
- ④ चित्र निर्माण
- ⑤ कहानी लेखन
- ⑥ प्रश्नोत्तर
- ⑦ समूह कार्य
- ⑧ विषय आधारित गतिविधियाँ

शामिल हो सकती हैं।

विद्यार्थियों के अच्छे कार्यों के कुछ नमूने इस पोर्टफोलियों में लगाए जा सकते हैं।

प्रत्येक कार्य के साथ विद्यार्थी का नाम, कक्षा, विषय, गतिविधि और दिनांक लिखा जा सकता है।

10. कक्षा में आयोजित गतिविधियाँ

कक्षा में विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

प्रमुख गतिविधियाँ

- ① कहानी सुनाना
- ② चित्र देखकर बातचीत
- ③ समूह चर्चा
- ④ प्रश्नोत्तर
- ⑤ भूमिका-अभिनय
- ⑥ खेल के माध्यम से सीखना
- ⑦ समूह कार्य
- ⑧ चित्र निर्माण
- ⑨ कार्यपत्रक
- ⑩ गणितीय गतिविधियाँ
- ⑪ स्थानीय वस्तुओं का निरीक्षण
- ⑫ विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुतीकरण

इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों को सीखने की प्रक्रिया का सक्रिय भाग बनाना है।

11. पहली सर्वोत्तम शिक्षण प्रथा

गतिविधि आधारित शिक्षण

परिचय : गतिविधि आधारित शिक्षण में बच्चों को केवल जानकारी देने के बजाय स्वयं कार्य करने और अनुभव प्राप्त करने का अवसर दिया जाता है।

उद्देश्य : ① बच्चों को सक्रिय बनाना।
② विषय को सरल और रोचक बनाना।
③ अवधारणाओं को अनुभव से जोड़ना।
④ बच्चों में सोचने और समस्या हल करने की क्षमता विकसित करना।

गतिविधि : गणित में जोड़ की अवधारणा समझाने के लिए बच्चों को कंकड़, पेंसिल, बटन या अन्य उपलब्ध वस्तुएँ दी गईं। बच्चों ने वस्तुओं को अलग-अलग समूहों में रखा और फिर दोनों समूहों को मिलाकर कुल वस्तुओं की संख्या ज्ञात की।

विद्यार्थियों की भूमिका : बच्चों ने स्वयं वस्तुओं को गिना, समूह बनाए, उन्हें जोड़ा और अपने उत्तर को कक्षा के सामने बताया।

सीखने का परिणाम : बच्चों ने जोड़ की अवधारणा को वास्तविक वस्तुओं के माध्यम से समझा।

प्रमाण : ① गतिविधि के चित्र
② बच्चों की कार्यपत्रिका
③ बच्चों द्वारा किया गया कार्य
④ शिक्षक का अवलोकन

शिक्षक का चिंतन : इस गतिविधि से मुझे यह अनुभव हुआ कि बच्चों को स्वयं कार्य करने का अवसर देने पर वे विषय को अधिक रुचि और समझ के साथ सीखते हैं।

12. दूसरी सर्वोत्तम शिक्षण प्रथा

कहानी एवं चित्र के माध्यम से शिक्षण

परिचय : कहानी और चित्र छोटे बच्चों के लिए सीखने के प्रभावी माध्यम हैं। इनके माध्यम से बच्चों की भाषा, कल्पना और अभिव्यक्ति का विकास किया जा सकता है।

गतिविधि : बच्चों को एक चित्र दिखाया गया।
फिर उनसे पूछा गया—

- चित्र में क्या दिखाई दे रहा है ?
- चित्र में कौन-कौन हैं ?
- वे क्या कर रहे हैं ?
- आपको चित्र में क्या अच्छा लगा ?
- इस चित्र पर आधारित कहानी कौन सुना सकता है ?

बच्चों ने अपने विचार व्यक्त किए और स्वयं कहानी बनाने का प्रयास किया।

- उद्देश्य** :
- ① मौखिक भाषा का विकास।
 - ② शब्द भंडार में वृद्धि।
 - ③ कल्पना शक्ति का विकास।
 - ④ बोलने का आत्मविश्वास बढ़ाना।
 - ⑤ सुनने और समझने की क्षमता विकसित करना।

प्रमाण

- चित्र गतिविधि के फोटो
- बच्चों की बनाई कहानी
- कार्यपत्रिका
- बच्चों की मौखिक प्रस्तुति

शिक्षक का चिंतन : इस गतिविधि से बच्चों को स्वतंत्र रूप से सोचने और अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिला। इससे कक्षा में उनकी सक्रिय भागीदारी बढ़ी।

13. तीसरी सर्वोत्तम शिक्षण प्रथा

सहयोगात्मक एवं समूह शिक्षण

परिचय : इस शिक्षण पद्धति में बच्चों को छोटे समूहों में बाँटकर किसी कार्य को मिलकर पूरा करने का अवसर दिया जाता है।

- उद्देश्य** :
- ① सहयोग की भावना विकसित करना।
 - ② एक-दूसरे से सीखने का अवसर देना।
 - ③ नेतृत्व क्षमता विकसित करना।
 - ④ संवाद एवं अभिव्यक्ति कौशल विकसित करना।

गतिविधि : कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया गया।

पहला समूह : चित्र बनाएगा।

दूसरा समूह : प्रश्नों के उत्तर देगा।

तीसरा समूह : महत्वपूर्ण शब्दों की सुची बनाएगा।

चौथा समूह : पूरे समूह के कार्य को प्रस्तुत करेगा।

बच्चों ने आपस में चर्चा करके कार्य पूरा किया।

परिणाम : बच्चों ने एक-दूसरे के विचारों को सुना, सहयोग किया और सामूहिक रूप से कार्य पूरा किया।

प्रमाण

- समूह कार्य के फोटो
- समूह द्वारा तैयार सामग्री
- विद्यार्थियों की कार्यपत्रिकाएँ
- प्रस्तुतीकरण के फोटो

14. चौथी सर्वोत्तम शिक्षण प्रथा

स्थानीय एवं समुदाय आधारित शिक्षण

परिचय

: बच्चों के आसपास का वातावरण उनके लिए एक महत्वपूर्ण सीखने का संसाधन हैं। विद्यालय, घर और समुदाय में उपलब्ध वस्तुओं तथा लोगों के अनुभवों को शिक्षण से जोड़कर बच्चों को वास्तविक जीवन से सीखने का अवसर दिया जा सकता है।

गतिविधि

: बच्चों को विद्यालय के आसपास मौजूद पेड़-पौधों का निरीक्षण कराया गया। बच्चों ने —

- ① विभिन्न पेड़ों को देखा।
- ② पत्तियों के आकार की तुलना की।
- ③ पौधों के नाम जाने।
- ④ स्थानीय नामों की जानकारी ली।
- ⑤ अपने अनुभव कक्षा में बताए।

उद्देश्य

- : ① अवलोकन क्षमता विकसित करना।
② बच्चों को अपने वातावरण से जोड़ना।
③ स्थानीय ज्ञान का उपयोग करना।
④ वास्तविक अनुभव के माध्यम से सीखने का अवसर देना।

प्रमाण

- : ● गतिविधि के फोटो
● बच्चों की बनाई चित्रकारी
● निरीक्षण पत्रक
● स्थानीय वस्तुओं के नमूने
● बच्चों के लिखित कार्य

शिक्षक का चिंतन

: स्थानीय संसाधनों के प्रयोग से बच्चों को यह अनुभव हुआ कि सीखना केवल पुस्तक तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारे आसपास की दुनिया भी सीखने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

15. पाँचवीं सर्वोत्तम शिक्षण प्रथा

सतत एवं बहुआयामी मूल्यांकन

परिचय

: बच्चों के सीखने का मूल्यांकन केवल परीक्षा के माध्यम से नहीं किया जाना चाहिए। सीखने की पूरी प्रक्रिया के दौरान बच्चों के ज्ञान, कौशल, सहभागिता और प्रगति का अवलोकन किया जाना चाहिए।

मूल्यांकन के तरीके

- : ① मौखिक प्रश्न
② लिखित कार्य
③ कार्यपत्रक
④ गतिविधि
⑤ समूह कार्य
⑥ परियोजना कार्य
⑦ अवलोकन
⑧ प्रस्तुतीकरण
⑨ प्रश्नोत्तर
⑩ बच्चों की कॉपियों का निरीक्षण

गतिविधि

: पाठ पूरा होने के बाद बच्चों से मौखिक प्रश्न पूछे गए। इसके बाद कार्यपत्रक दिया गया और बच्चों के कार्य का अवलोकन किया गया।
जिन बच्चों को किसी अवधारणा को समझने में कठिनाई हुई, उन्हें अतिरिक्त उदाहरण और अभ्यास कराया गया।

परिणाम

: इस प्रक्रिया से बच्चों की वास्तविक सीखने की स्थिति को समझने में सहायता मिली।

प्रमाण

- : ● मूल्यांकन पत्रक
● कार्यपत्रक
● बच्चों की कॉपियाँ
● शिक्षक के अवलोकन के अभिलेख
● सुधारात्मक कार्य

16. विद्यार्थियों के कार्य के नमूने

पोर्टफोलियो में विद्यार्थियों के वास्तविक कार्यों के नमूने शामिल किए जाएँ।

प्रत्येक नमूने के साथ

1. विद्यार्थी का नाम : _____
2. कक्षा : _____
3. विषय : _____
4. पाठ : _____
5. गतिविधि : _____
6. दिनांक : _____
7. सीखने का उद्देश्य : _____
8. विद्यार्थी का कार्य : संलग्न
9. शिक्षक की टिप्पणी : _____

विद्यार्थी का कार्य (नमूना)

17. शिक्षक द्वारा विकसित सीखने के संसाधन

शिक्षक द्वारा स्वयं तैयार किए गए शिक्षण संसाधन भी पोर्टफोलियो में शामिल किए जाएँ।

उदाहरण—

1. चित्र
2. चार्ट
3. संख्या कार्ड
4. शब्द कार्ड
5. कहानी कार्ड
6. आकृति कार्ड
7. कार्यपत्रक
8. शिक्षण मॉडल
9. खेल सामग्री
10. स्थानीय वस्तुएँ
11. अभ्यास सामग्री

संसाधन के चित्र / नमूने

18. शिक्षक द्वारा तैयार कार्यपत्रक

कार्यपत्रक

विद्यालय : _____
कक्षा : _____
विषय : _____
पाठ : _____
विद्यार्थी का नाम : _____
दिनांक : _____

कार्य

प्रश्न 1 : _____
प्रश्न 2 : _____
प्रश्न 3 : _____
प्रश्न 4 : _____
प्रश्न 5 : _____

शिक्षक की टिप्पणी : _____

19. समुदाय के संसाधनों का उपयोग

परिचय

विद्यालय और समुदाय एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। बच्चों के सीखने में समुदाय के ज्ञान और संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है। समुदाय में उपलब्ध लोग, स्थान, वस्तुएँ और अनुभव बच्चों के लिए महत्वपूर्ण सीखने के संसाधन हैं।

उदाहरण

- 1 स्थानीय किसान से खेती के बारे में जानकारी लेना।
- 2 स्थानीय कारीगर से उसके काम को समझना।
- 3 स्वास्थ्यकर्मी से स्वास्थ्य और स्वच्छता की जानकारी लेना।
- 4 अभिभावकों से स्थानीय ज्ञान प्राप्त करना।
- 5 स्थानीय बाजार का निरीक्षण करना।
- 6 आसपास के पेड़-पौधों का अध्ययन करना।



स्थानीय किसान



स्थानीय कारीगर



स्वास्थ्यकर्मी



अभिभावक



स्थानीय बाजार



पेड़-पौधे

परिणाम

इस प्रकार बच्चों को अपने समुदाय को समझने और उससे सीखने का अवसर मिलता है। इससे बच्चों में जिज्ञासा, अवलोकन क्षमता, सामाजिक जागरूकता और वास्तविक जीवन से जुड़कर सीखने की प्रवृत्ति विकसित होती है।

20. शिक्षक के व्यावसायिक विकास की गतिविधियाँ

परिचय

एक शिक्षक को अपने ज्ञान और शिक्षण कौशल का निरंतर विकास करते रहना चाहिए। इस पोर्टफोलियो में शिक्षक द्वारा किए गए विभिन्न व्यावसायिक विकास गतिविधियों के प्रमाण शामिल किए जा सकते हैं।

गतिविधियाँ

- 1 शिक्षक प्रशिक्षण
- 2 अभिमुखीकरण कार्यक्रम
- 3 कार्यशाला
- 4 सेवा-कालीन प्रशिक्षण
- 5 शैक्षिक कार्यक्रम
- 6 प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र
- 7 प्रशिक्षण के फोटो
- 8 अध्ययन सामग्री
- 9 स्वयं द्वारा किए गए अध्ययन
- 10 शिक्षण संबंधी चर्चा एवं विचार-विमर्श



मेरा अनुभव

इन गतिविधियों से मुझे नई शिक्षण विधियों को समझने, अपने शिक्षण कार्य का मूल्यांकन करने और बच्चों की आवश्यकताओं के अनुसार अपने शिक्षण में सुधार करने का अवसर मिला।

21. फोटो एवं कार्य-नमूने

पोर्टफोलियो में वास्तविक कार्यों के चित्र लगाए जाएँ। प्रत्येक चित्र के नीचे उसका संक्षिप्त विवरण दिया जाए।

1 कक्षा में कराई गई गतिविधि का चित्र



गणित में जोड़ की अवधारणा समझाने के लिए वस्तुओं के माध्यम से गतिविधि कराई गई।

2 समूह कार्य का चित्र



बच्चों को समूह में बॉटकर विषय से संबंधित कार्य कराया गया। बच्चों ने मिलकर चित्र बनाया और चर्चा की।

3 बच्चों द्वारा कार्यपत्रक पूरा करने का चित्र



कार्यपत्रक के माध्यम से बच्चों के सीखने का मूल्यांकन किया गया। बच्चों ने स्वयं कार्य पूरा किया।

4 शिक्षक द्वारा बनाई गई शिक्षण सामग्री का चित्र



शिक्षक द्वारा स्वयं तैयार की गई संख्या कार्ड, शब्द कार्ड और आकृति कार्ड।

5 विद्यार्थियों के अच्छे कार्य का चित्र



विद्यार्थी द्वारा बनाई गई चित्रकारी और स्वयं लिखी गई पंक्तियाँ। यह कार्य 'पेड़-पौधे' पाठ से संबंधित है।

6 समुदाय आधारित गतिविधि का चित्र



स्थानीय किसान से बच्चों ने खेती के बारे में जानकारी ली। बच्चों ने मौके पर पौधों का अवलोकन किया।

7 शिक्षक प्रशिक्षण का चित्र



शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया। इसमें नई शिक्षण विधियों पर चर्चा की गई।

8 बच्चों द्वारा अपने कार्य का प्रस्तुतीकरण



बच्चे ने 'जल का महत्व' विषय पर अपना कार्य कक्षा में प्रस्तुत किया। अन्य बच्चों ने उसके कार्य को सुना और प्रशंसा की।

22. शिक्षक का आत्म-चिंतन

इस पोर्टफोलियो को तैयार करने से मुझे अपने शिक्षण कार्य को समझने और उसका आत्म-मूल्यांकन करने का अवसर मिला। मैंने अनुभव किया कि बच्चों को जब सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल किया जाता है, तो वे अधिक रुचि के साथ सीखते हैं। गतिविधि आधारित शिक्षण ने बच्चों को करके सीखने का अवसर दिया। कहानी और चित्र आधारित शिक्षण ने भाषा एवं अभिव्यक्ति के विकास में सहायता की। समूह कार्य ने बच्चों में सहयोग और संवाद की भावना विकसित की। स्थानीय संसाधनों ने सीखने को बच्चों के वास्तविक जीवन से जोड़ा। सतत मूल्यांकन ने बच्चों की सीखने संबंधी कठिनाइयों को समय पर पहचानने में सहायता की।

इस अनुभव के आधार पर मैं भविष्य में भी बच्चों की आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न शिक्षण विधियों का प्रयोग करने का प्रयास करूँगा/करूँगी।



23. निष्कर्ष

1 शिक्षक पोर्टफोलियो शिक्षक के व्यावसायिक जीवन का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं। यह शिक्षक के कार्यों के साथ-साथ उसके विचारों, शिक्षण दृष्टिकोण, अनुभवों और व्यावसायिक विकास को भी प्रस्तुत करता है।

2 इस पोर्टफोलियो में शिक्षक की पाँच सर्वोत्तम शिक्षण प्रथाओं को उनके उद्देश्य, प्रक्रिया, विद्यार्थियों की भागीदारी, सीखने के परिणाम और वास्तविक कार्य-नमूनों के साथ प्रस्तुत किया गया है।

3 पाठ्यक्रम, सिलेबस, असाइनमेंट, कक्षा गतिविधियाँ, विद्यार्थियों के कार्य, सीखने के संसाधन, शिक्षक द्वारा तैयार कार्यपत्रक, समुदाय के संसाधन तथा शिक्षक के व्यावसायिक विकास की गतिविधियाँ इस पोर्टफोलियो को एक समग्र रूप प्रदान करती हैं।

4 इस प्रकार शिक्षक पोर्टफोलियो केवल कार्यों का संग्रह नहीं हैं, बल्कि यह शिक्षक की **व्यावसायिक पहचान और उसके शिक्षण कार्य की समग्र तस्वीर** प्रस्तुत करने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज है।



24. घोषणा

मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि इस पोर्टफोलियो में मेरे शिक्षण कार्य, कक्षा गतिविधियों, विद्यार्थियों के कार्य, शिक्षण संसाधनों, समुदाय आधारित गतिविधियों, व्यावसायिक विकास तथा पाँच सर्वोत्तम शिक्षण प्रथाओं से संबंधित कार्य-नमूने व्यवस्थित रूप से संकलित किए गए हैं।



शिक्षक/प्रशिक्षु का नाम : _____

हस्ताक्षर : _____

दिनांक : _____

विद्यालय की मुहर : _____

विद्यालय
की मुहर